

Date 27.05.26

Publication: The Pioneer

## Coal India arm SECL vows to meet nation's energy needs

PIONEER NEWS SERVICE

■ New Delhi

Coal India arm South Eastern Coalfields Ltd's (SECL) CMD Harish Duhan on Tuesday reiterated the company's commitment to fulfilling the nation's energy requirements as power demand hit record highs amid an intense spell of heatwave.

Duhan said during the ongoing financial year 2026-27, SECL has made the highest contribution of 26.86 million tonnes towards Coal India's production milestone of 100 million tonnes achieved so far. He reiterated SECL's commitment towards fulfilling the nation's energy requirements under the guidance of the Coal Ministry, SECL said in a statement.

The company further said Union Minister of State for Coal and Mines Satish Chandra Dubey on Tuesday undertook a one-day visit to SECL's headquarters at Chhattisgarh's Bilaspur, during which he conducted a detailed review of the company's operations and achievements.



Chairing the review meeting at SECL headquarters, the minister reviewed coal production, dispatch, quality management, safety, coal gasification, mine closure, environmental initiatives, digitisation, CSR activities, and future action plans.

The minister stated that SECL is playing a significant role in strengthening the nation's energy security and appreciated the company's efforts in the areas of production, quality, safety and environmental responsibility.

He further stated that through CSR initiatives, priority should be given to ensuring that the benefits of development and welfare schemes reach the last person in the coalfield regions.

Date 27.05.26

Publication: Business Standard

# CIL allays coal crisis fears, says 168 mt buffer available to meet rising demand

**SAKET NUMAR**  
New Delhi, 26 May

State-run Coal India Ltd (CIL) on Tuesday said adequate coal stocks are available in the system to meet rising summer power demand, seeking to allay concerns over possible shortages at thermal power plants.

The company said a total coal buffer of 168 million tonnes (mt) is currently available. This includes inventories at power plants, CIL mine heads, transit points and the coal being transported through rail networks.

Coal stocks at domestic coal-based thermal power plants stood



at 47.6 mt as of May 23, while inventory at CIL's mine heads was 113.5 mt as of May 24, up 10 per cent year-on-year (Y-o-Y). The current

stock level is sufficient to meet around 19 days of consumption, the company said.

In addition, around 3 mt of coal is lying at transit points such as goods sheds, ports and private washeries, while nearly 4 mt is currently in transit through railway rakes.

CIL said the reduction in coal stocks at power plants during peak summer months is a "natural occurrence" and should not be interpreted as a supply-side crisis.

The miner, which meets over 80

percent of India's coal demand, also said around 90 mt of in-situ mine coal is readily available for quicker extraction and dispatch if demand rises further.

**COAL STOCKS AT  
DOMESTIC  
COAL-BASED  
THERMAL POWER  
PLANTS STOOD AT  
47.6 MT AS ON MAY 23**

As on May 20, 21 thermal power plants were categorised under criticality, of which 11 were domestic-coal-based units. Seven of these plants source coal from CIL.

The company said it has been regularly communicating with power producers to build up inventories in advance, particularly for plants located in logistically challenging areas.

Date 27.05.26

Publication: Dainik Jagran

### कोयले की कमी नहीं, 16.8 करोड़ टन का 'बफर' उपलब्ध

नई दिल्ली : कोल इंडिया ने कोयले की कमी की आशंकाओं को दूर करते हुए कहा है कि उसने गर्मियों के मौसम में बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए उसके पास 16.8 करोड़ टन का बफर स्टॉक तैयार है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने कहा कि 23 मई तक घरेलू कोयले पर आधारित बिजली संयंत्रों में उसका कोयला स्टॉक 4.76 करोड़ टन था जबकि 24 मई को खदानों के पास 11.35 करोड़ टन कोयला उपलब्ध था। यह पिछले साल की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है और यह 19 दिनों की खपत पूरा करने को पर्याप्त है। घरेलू उत्पादन में कोल इंडिया की हिस्सेदारी 80% से अधिक है। (प्रेट्र)

Date 27.05.26

Publication: Prabhat Khabar

## केंद्र बेचेगा कोल इंडिया में दो प्रतिशत तक हिस्सेदारी

द्वितीय संवाददाता, धनगढ़

केंद्र सरकार बुधवार से शुरू होने वाली बिक्री पेशकश (ओएफएस) के माध्यम से कोल इंडिया में दो प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचेगी, यह हिस्सेदारी 412 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बेची जायेगी, दो प्रतिशत हिस्सेदारी खरी लेना लगभग 12.32 करोड़ शेयर 412 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचने से सरकार को खजाने में लगभग 5,000 करोड़ रुपये आयेगे। बिक्री पेशकश बैर-बुद्धरा निवेशकों के लिए 27 मई को और

आज खुलेगी बिक्री पेशकश		
412 रुपये प्रति शेयर न्यूनतम मूल्य तय किया गया है	5,000 करोड़ रुपये इससे सरकार को मिलने का अनुमान	80,000 करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखा है सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 में प्रतिशत से

खुदरा निवेशकों के लिए 29 मई को खुलेगी। निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआइपीएम) के सचिव अरविंद चवला ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत सरकार कोल इंडिया लिमिटेड में बिक्री पेशकश को घोषणा करती है। इसमें आधार पेशकश

कंपनी के इक्विटी शेयर का एक प्रतिशत है। इसमें 'ग्रीन शु' विकल्प यानी अधिक अभिदान आने की स्थिति में एक प्रतिशत अतिरिक्त बोली रखने का विकल्प रखा गया है। कोल इंडिया का शेयर मंगलवार को बीएसई में 458.25 रुपये पर बंद हुआ। यह

पिछले केंद्र भाव से 0.25% अधिक है। बिक्री पेशकश के तहत 412 रुपये प्रति शेयर का न्यूनतम मूल्य नौकरों का माध्यम से लगभग 10% कम है। चालू वित्त वर्ष में कोल इंडिया की यह बिक्री पेशकश किसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का दूसरा ओएफएस है। पिछले सप्ताह सरकार ने ओएफएस के माध्यम से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में 8.08% हिस्सेदारी बेचकर 2,266 करोड़ जुटाये थे। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में निवेश और परिसंपत्ति मॉडरीकरण के जरिये 80,000 करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखा गया है।

Date 27.05.26

Publication: Prabhat Khabar

# सभी कोल इंडियंस ही वास्तविक सतर्कता अधिकारी : सीवीओ

**वरीय संवाददाता, रांची**

कोल इंडिया के मुख्य सतर्कता अधिकारी ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि सभी कोल इंडियंस ही वास्तविक सतर्कता अधिकारी हैं, कंपनी की प्रगति तभी संभव है, जब प्रबंधन और कर्मचारियों का लक्ष्य एक समान हो. उन्होंने साइबर सुरक्षा, छवि निर्माण तथा गुणवत्ता सुधार पर विशेष बल दिया. श्री त्रिपाठी मंगलवार को सीसीएल में रिफॉर्म ट्रांसफॉर्म : परफॉर्म इंफॉर्म विषय पर आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि हरेक काम में सतर्कता है और सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी है.

**कई नयी सटान खोली गयी** : इस मौके पर सीसीएल के सीएमडी निलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि वन भूमि स्वीकृति, नयी खदानों के विकास तथा दशकों से बंद पड़ी खदानों को पुनः शुरू करने में सफलता मिली है. आइसीसीसी प्रणाली का जिक्र करते हुए कहा कि इसके माध्यम से कोयला परिवहन व्यवस्था में पारदर्शिता एवं निगरानी को मजबूती मिली है. कोयला हुलाई पर प्रभावी नियंत्रण संभव हुआ है. इसके साथ ही उन्होंने कोयला क्षेत्रों में सीसीटीवी निगरानी, कंपनी की वित्तीय उपलब्धियों, इको पार्क, सोलर पावर प्लांट, सीसीएल के लाल और सीसीएल की लाइली, जेएसएसपीएस एवं माईस टूरिज्म जैसी पहल शुरू की गयी है.

## ऊर्जा बचत के लिए सीसीएल चलायेगा अभियान

सीसीएल में वार अगैस्ट वेस्टेज रलोगन के साथ एक नयी मुहिम शुरू हो गयी है. इस मौके पर रिच ऑफ, रिच ऑन एक पट्टिका का विमोचन किया गया. यह पट्टिका मुख्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालयों में लगे हरेक बिजली स्वीच बोर्ड के नीचे लगाये जायेगे, जिससे कर्मों बिजली बचत के लिए प्रेरित होंगे. सीसीएल ग्रिट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया द्वारा पानी, बिजली, ईंधन, खाना इत्यादि हरेक तरह के बचत के लिए कर्मों, हितधारकों एवं ग्रामीणों को प्रेरित कर रही है. जनसंपर्क विभाग के आलोक कुमार ने कहा कि इस गिलहरी प्रयासों को जीवनशैली का अंग बनाने से न सिर्फ ऊर्जा की बचत होगी, बल्कि आने वाली पीढ़ीओं तक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग का सकारात्मक संदेश पहुंच सकेगा.

**कोल इंडिया : लेबर कोड पर पांच जून को होगी बैठक. धनबाद.** कोल इंडिया लिमिटेड में लागू होने जा रही श्रम संहिताओं (लेबर कोड) के प्रभाव और आगे की कार्ययोजना पर चर्चा के लिए पांच जून को एफेक्स जेसीसी की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गयी है. बैठक शुक्रवार पूर्वाह्न 11:30 बजे से सीआइएल मुख्यालय कोलकाता में आयोजित होगी.

Date 28.05.26

Publication: Prabhat Khabar

# 'Coal gasification push a structural shift for CIL'

**ALL FIRED UP.** With adequate coal available, the company is geared up to meet summer demand: Chairman and Managing Director B Sairam

bl.interview

Mithun Dasgupta  
Kolkata

Coal behemoth Coal India Ltd (CIL), in pursuit of coal gasification, is making a structural shift from being primarily a producer and supplier to a coal-to-chemicals and cleaner fuel integrated energy producer, says its Chairman and Managing Director B Sairam.

He said the company expects e-auction premiums to be between 40 and 45 per cent if the demand persists. The high prices of imported coal may contribute to increased premium this fiscal, he added.

*Edited excerpts:*

**You emphasised that increased coal production and improved quality supplies are the company's core functional areas in meeting the energy demand of the country. What is Coal India's production and supply**



We are strengthening our coal evacuation infra through first mile connectivity projects and a rail corridor

**B SAIRAM**  
Chairman and Managing Director,  
Coal India Ltd



**target for this fiscal?**

Yes, these twin commitments remain firm in our corporate ethos. After evaluating the anticipated demand from both the power and non-power sectors, the production target is pegged at 81.5 million tonnes (mt), while the supply target is set at 850mt. Supply or offtake lists high among our key priorities followed by the production.

Coal supplies are placed at the top because we began FY27 with around 130 mt of coal stock at our pitheads, which was 17 per cent of our entire output of 768 mt in FY26.

Liquidation of this inventory is our major operational

focus. Our effort is to progressively moderate the inventory levels towards more optimal levels of around 10 per cent of the total production, or around 70 mt.

Therefore, the emphasis is now on more efficient synchronisation between production and evacuation. We are consciously making efforts to place fresh coal into the market and move towards a more demand-aligned produce-and-sell approach, rather than prolonged stocking before sale.

**With this change in approach, would the company need to realign its mining activity?**

This approach does not entail any change in our mining operations. We will, to the extent possible, sell fresh coal in the market, so our approach of production will be in consonance with the offtake.

As per demand we will produce so that some threshold levels of stock will always be there. Because we have to be ready to make good of the pertinent demand. Sometimes logistic and mining disruptions occur in the supply chain. What we are doing is we are liquidating our stock in FY27 so that we will maintain stock to a certain threshold level to keep some buffer.

**What role will CIL play to boost gasification to channel domestic coal into cleaner industrial uses?**

For the company, the gasification push represents a structural shift from being primarily a coal producer and supplier to emerging as a coal-to-chemicals and cleaner fuel integrated energy producer.

The aim is to cut import dependence on industrial

feedstock and natural gas. In this, our company is synergising its coal gasification efforts with three major CPSUs — BHEL, GAIL and BPCIL.

The centrepiece of this push is a coal gasification-based ammonium nitrate project of 6.6 lakh tonnes per annum capacity at Lakhimpur under our Odisha-based subsidiary, Mahanadi Coalfields. This project, at around ₹25,000 crore, is being developed through Bharat Coal Gasification and Chemicals Ltd, which is a joint venture between Coal India and BHEL. This is CIL's first commercial scale downstream coal gasification venture.

Alongside, CIL is pursuing two coal-to-synthetic natural gas (SNG) projects, each with 633 million normal cubic metres per annum capacity, aimed at supplying cleaner fuel to fertilizer units and industrial consumers.

One is being planned in Bardhaman, West Bengal, through JV with GAIL under Coal Gas India Ltd, at an estimated investment of ₹13,000 crore. The second SNG facility is being planned

at Chandrapur in Maharashtra with BPCL at a capital outlay of around ₹12,200 crore. When commissioned, the three mega facilities could anchor India's coal-to-chemicals ecosystem and reshape the country's vast coal reserves while supporting energy security and industrial growth.

**The E-auction price of coal increased 51 per cent over the notified prices in April.**

**However, the quantity allocated through the e-auction decreased 11.64 per cent on a month-on-month basis. What is the outlook going forward?**

Last financial year was an aberration for coal demand. Moderated summer temperatures and heavy rainfall were the principal causes for lukewarm demand. This led to our e-auction premiums settling down at 38 per cent.

With the onset of summer demand, the power sector is consuming increased volumes of coal. So, going forward in the current financial year, we expect the e-auction premiums (add-ons

over notified price) to be between 40 and 45 per cent if the demand continues at the similar trend.

Imported coal prices, which are currently high, hold a sway over our e-auction premiums. This may contribute to increased premiums this year if the imported prices continue to hold at higher levels. E-auction volumes and premiums are driven by the market demand dynamics, and we shall offer adequate quantities through the auction window.

**What are the company's plans to meet the peak summer season demand?**

With adequate coal available, the company is geared up to meet the summer demand. Coal stock at domestic coal-based power plants is around 48 mt. Coal inventories at our pitheads are at around 113 mt.

Further, 50 mt of in-situ coal within mines is ready for extraction and supply if the demand necessitates. We are also strengthening our coal evacuation infra through first mile connectivity projects and a rail corridor.

Date 28.05.26

Publication: Prabhat Khabar

# कोल इंडिया बिक्री पेशकश को ₹19,000 करोड़ की बोलियां

नयी दिल्ली. सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया (सीआईएल) के शेयर को संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को हाथों हाथ लिया और पहले ही दिन लगभग 19,000 करोड़ रुपये की बोली लगायी. निर्गम को पहले दिन 8.14 गुना बोलियां मिलीं. सरकार कोल इंडिया में 12.32 करोड़ से अधिक शेयर यानी दो प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेच रही है. इसके लिए न्यूनतम 412 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है. इसमें एक प्रतिशत का 'ग्रीन-शू' विकल्प

यानी अधिक बोली आने पर उसे रखने का विकल्प भी शामिल है. खुदरा निवेशक 29 मई को बिक्री पेशकश (ओएफएस) में बोली लगा सकेंगे. गैर-खुदरा या संस्थागत निवेशकों ने 45.15 करोड़ से अधिक शेयर के लिए बोली लगायी, जो उनके लिए आरक्षित शेयरों की संख्या से आठ गुना अधिक है. यह बोली 436.69 रुपये प्रति शेयर के भाव पर लगायी गयी. कंपनी का शेयर पिछले बंद भाव से 1.01 प्रतिशत बढ़कर 462.90 रुपये पर बंद हुआ.

Date 29.05.26

Publication: The Hindu Business Line

## Diversification drive: CIL has 524 MW of solar projects under execution

Mithun Dasgupta  
writes

State-run coal major Coal India, which aims to become a 5 GW solar power company by 2030, currently has around 524 MW of solar projects under execution as part of its diversification drive.

On the solar front, CIL's installed capacity increased to around 337 MW by FY26-end, which includes a 100 MW solar project in Gujarat's Patan.

"We aspire to become a 5 GW solar power company by 2030," Coal India Chairman and Managing Director B Sairam told *businessline*.

### CHANGING DYNAMICS

By stepping into non-coal sectors such as solar and critical minerals, the world's largest coal miner has commenced its future preparedness. The company is gradually adapting to the changing energy dynamics in India.

"Among major solar projects actively under radar are a 300 MW project in Kharva in Gujarat and a JV in Uttar Pradesh for 500 MW. We have also emerged as the successful bidder for a 600 MW solar project in Uttar Pradesh's Jalaun," Sairam said.

Coal India is also actively participating on a pan-India basis in renewable energy (RE) tenders under tariff-based competitive bidding routes to secure additional capacities and expand its RE portfolio. The company was awarded a 187.5 MW / 750 MWh Battery Energy Storage System (BESS) project at Chouruppal, Telangana, and 80 MW / 320 MWh BESS project in Odisha.

### FOUR BLOCKS

In the critical minerals space, CIL has so far secured four blocks — two critical minerals and two rare earth elements.

"The most advanced project is the Oranga-Besatpur block in Chhattisgarh of graphite and vanadium. Due diligence has already been completed, and the LOA (letter of intent) has been issued. We expect mining activity to start within three to four years," the Chairman said, adding that it will effectively be Coal India's first mining activity outside coal and that too in critical min-



B Sairam, CMD, Coal India

erals. The coal miner is setting up a subsidiary in Singapore, which is expected to come up by this fiscal-end. "It will focus mainly on collaborations in Australia, including coking coal, copper, critical minerals and rare

earth opportunities. It will handle the full value chain including mining, processing, beneficiation, logistics, market identification, partnerships, licensing and regulatory aspects," Sairam added.

With power utility Damodar Valley Corporation, CIL is developing a 1,600 MW ultra-supercritical brownfield thermal power project at Jharkhand's Chandrapur at an estimated investment of around ₹20,000 crore, in a 50:50 joint-venture mode. The expected post-equity IRR (internal rate of return) is around 15.5 per cent, and commissioning is presently targeted around FY31.

Date 29.05.26

Publication: Hindustan

# कोल इंडिया का उत्पादन दो माह में 100 मिलियन टन पार

धनबाद, विशेष संवाददाता। चालू वित्तीय वर्ष के दो माह में कोल इंडिया ने कोयला उत्पादन में 100 मिलियन टन का आंकड़ा पार कर लिया है। 27 मई तक कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनियों ने 104.63 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया है। वहीं डिस्पैच 121 मिलियन टन किया गया है।

कोल इंडिया के आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पावर प्लांटों को मानसून तक जरूरतभर कोयला देने का स्टॉक है। कंपनी के पास वर्तमान में 100 मिलियन टन से ज्यादा का स्टॉक है। वहीं पावर प्लांटों के पास भी औसतन 24 दिन का कोयला स्टॉक है। देश में 27 मई तक कुल कोयला उत्पादन 138.76



मिलियन टन एवं डिस्पैच 160.45 मिलियन टन है। आधिकारिक सूत्र ने बताया कि देश में वर्तमान में कुल कोयला स्टॉक के आधार पर कहा जा सकता है कि देश में 88 दिन तक निर्बाध बिजली आपूर्ति संभव है।

Date 29.05.26

Publication: Business Standard

# CIL to invest ₹60,000 cr in gasification projects

SAKET KUMAR  
New Delhi, 28 May

Coal India Ltd's (CIL's) planned coal gasification projects could entail cumulative investments of ₹90,000 crore-60,000 crore, as the state-run miner accelerates efforts to diversify coal usage into chemicals and synthetic fuels.

Coal gasification has emerged as a key component of the Centre's strategy to reduce dependence on imported fuels and chemicals amid growing concern over energy security and supply disruption arising from geopolitical tensions in West Asia, while promoting cleaner utilisation of domestic coal reserves.

The Union government on May 13 approved a ₹37,500 crore incentive scheme for gasifying around 75 million tonnes (MT) of coal and lignite, contributing to India's broader target of achieving 100 MT coal gasification by 2030.

CIL is currently developing three coal gasification projects, with the most advanced among them located at Lakhampur in Odisha, a senior company official told *Business Standard*. The flagship project is now estimated to cost around ₹20,000 crore, he added.

"The first project is costing more because it is based on indigenous technology," the official said, adding that foreign technologies could prove relatively cheaper.

CIL has begun preparatory and on-ground work at the Lakhampur site, where orders have been placed, and technology providers have been working for the past six to seven months.

## Diversifying usage

- CIL is developing three coal gasification projects
- Projects are aimed at producing different downstream products
- On-ground work has started for the first project
- The other two projects are still at the tendering stage for selecting technology providers
- The first project is expected to be operational by 2029-30 while the other two around 2030-31



Project execution has been divided into "islands" or packages for engineering and implementation.

The other two projects remain at the tendering stage for selecting technology providers. One of these, linked to Western Coalfields Ltd (WCL) in partnership with Bharat Petroleum Corp Ltd (BPCL), is being established in Maharashtra's Chandrapur district.

A third project is planned in

West Bengal's Bardhaman district, in partnership with Gas Authority of India Ltd, the official said.

All three projects are based on coal gasification, but they will produce different downstream products.

While the Lakhampur project will produce ammonium nitrate, the other two projects will produce synthetic natural gas (SNG), a substitute for imported natural gas.

The official indicated that the remaining projects could cost around ₹20,000 crore each, taking the cumulative investment across three ventures to around ₹60,000 crore.

CIL is evaluating both domestic and overseas technologies, including from European and Chinese firms, for these projects. "The technology has matured a lot in China," the official said, pointing to the country's extensive experience in coal gasification.

There are certain challenges in procuring advanced technology. For instance, foreign firms offer technology bundled with engineering, procurement and construction (EPC) contracts.

Being a public sector enterprise, CIL has to follow government procurement rules during the selection process.

The Lakhampur project is targeted for commissioning by 2029-30, while the other two projects are expected to turn operational around 2030-31, subject to the timely finalisation of tenders. Technology tenders for the projects could be finalised in June, the official said.

Date 29.05.26

Publication: Prabhat Khabar

**कोल इंडिया : तीसरे बच्चे के  
जन्म पर भी मातृत्व अवकाश  
धनबाद.** कोल इंडिया ने अपनी  
महिला वेज बोर्ड कर्मचारियों को  
बड़ी राहत देते हुए मातृत्व अवकाश  
संबंधी नया कार्यालय आदेश जारी  
किया है. 26 मई 2026 को जारी  
इस आदेश के तहत सीआइएल  
और उसकी सहायक कंपनियों में  
कार्यरत महिला कर्मचारियों को  
विभिन्न परिस्थितियों में विस्तारित  
मातृत्व अवकाश का लाभ मिलेगा.